IProf. Chandresh P. Thakur] yet from the annual flood fury which visits this region. The State of Bihar, in particular, has had a disproportionately large share of the suffering in the wake of Ganga and other river floods. Keeping in view (a) the sufferings of the people in this region, (b) the damages to the regional econonv and (c) the large capitalized value of the relief measures retrospectively and prospectively, a new approach was evolved. The previous Government examined all these aspects, and in deference to the needs of this region, the then Prime Minister announced a Technology Mission on Flood Control in Ganga Basin, in general and in north Bihar and in particular.

Mr. Vice-Chairman, through you I -would like to draw the attention of the House and the Government to this, that it is suspected that the new Government has adopted a casual approach in this regard. The Ministry of Water Resources is now moving to distort the commitments of the previous Government and the decisions on this aspect. Through this Special Mention, Mr. Vice-Chairman, I would like to say that the Government should assure us that the decision of the previous Government on the Technology Mission in Ganga Basin in general and north Bihar in particular is respected, that the Ministry of Water Resources would not be allowed to distort the decision of the previous Government, that immediate announcement is made in launching the Technology Mission with adequate fund support and a deadline before the work starts in harnessing the perennial river waters in this region and that an Integrated Development Plan for the river basin in north Bihar is taken up with sufficient fund support for implementation during the Eighth Plan period itself. Thank you, Mr. Vice-Chairman.

Need to Modernise Jaipur and

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इस राज्य सभा में पहली बार अपना भाषण प्रस्तुत कर रहा हूं। आपने मुझे बोलने का जो अवसर दिया उसके लिए धन्यवाद। मैं इस विशेष उल्लेख के द्वारा हमारी नयी सरकार का ध्यान जयपुर एयरपोर्ट की ओर दिलाना चाहता हूं।

मान्यवर, जयपुर बहुत पुराना शहर है, लगभग 260 वर्ष पुराना। सारी दुनिया में यह शहर गुलाबी नगर के नाम से जाना जाता है। इसके अतिरिक्त वहां पर जैम-स्टोन्स के एक्सपोर्ट का काम बहुत बड़ी मात्रा में होता है। साथ ही गोल्ड ज्वैलरी के एक्सपोर्ट का काम भी इस समय काफी बढ़ गया है। टूरिस्ट भी वहां पर काफी संख्या में आते हैं लेकिन पता नहीं किन कारणों से पिछले समय में कई बार योजनाएं बनाई गईं कि जयपुर का जो एयरपोर्ट है वह इंटरनेशनल एयरपोर्ट के स्टैंडर्ड का बनना चाहिए लेकिन इस दिशा में प्रगति नहीं हुई।

महोदय, जयपुर अपनी सुन्दरता के लिए प्रसिद्ध है, जैम-स्टोन्स के एक्सपोर्ट के लिए प्रसिद्ध है, फारैन एक्सचेंज अर्न करता है। वहां पर हजारों लोग पर्यटक के नाते आते है लेकिन जब वहां पर कोई एयरपोर्ट से जाता है तो ऐसा लगता है कि मानो कोई बहुत छोटी जगह आ गए हैं। जितना आकर्षण जयपुर में जाने का है उसके साथ ही वहां पर एयरपोर्ट को देखने के पश्चात ऐसा लगता है कि वह आकर्षण समाप्त हो गया।

मै अपनी सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि वह जयपुर की महत्ता को समझे और उस महत्व को जानने के बाद जो शहर इतना फारैन एक्सचेंज अर्न कर रहा है, जहां पर बहुत बड़ा जवाहरात का उद्योग है जो कि सवा सौ, डेढ़ सौ करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी मुद्रा अर्जित करता है, आज वह भी अपने को समस्याओं से घिरा हुआ पाता है, उसका कुछ समाधान करें। महोदय, उनके जो पार्सल्स एक्सपोर्ट के लिए जाते हैं, उनका जो सामान वहां से निर्यात के लिए जाता है, वह वहां से दिल्ली आता है और दिल्ली में उसकी प्रोसेसिंग होने के पश्चात वह बाहर जाता है। इसके अंदर लगभग 10 से 15 दिन का समय नष्ट हो जाता है। निर्यातकों को इसकी वजह से बड़ी कठिनाई होती है और जब कि बाकी के [illegible] से जो माल आता है वह केवल दो या तीन दिन में वहां से प्रोसेस होकर भेज दिया जाता है जब कि जयपुर से गया हुआ माल डिस्पैच होने में 10 से 15 दिन लगते हैं। इसलिए मैं निवेदन करना

[श्री रामदास अग्रवाल]

चाहता हूं कि जयपुर के बारे में इस दृष्टि से विचार किया जाए कि वहां विदेशी पर्यटक आते हैं, विदेशी मुद्रा अर्न की जाती है इसलिए उस एयरपोर्ट को इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का एयरपोर्ट बनाया जाना चाहिए, यह मैं इस विशेष उल्लेख के माध्यम से अपनी सरकार से निवेदन करना चाहता हूं।

मान्यवर, दूध देने वाली गाय को सभी अच्छी घास खिलाते हैं। मुझे नहीं पता कि पिछली सरकार ने जयपुर के साथ इस प्रकार का व्यवहार क्यों किया। महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख में एक निवेदन और करना चाहता हूं और वह भुवनेश्वर एयरपोर्ट के बारे में है। महोदय, भुवनेश्वर भी पर्यटकों का एक विशेष केन्द्र है। वहां पर भी हजारों पर्यटक आते हैं और वे जब वहां पहुंचते हैं तो उनको ऐसा लगता है कि वे किसी छोटे से एयरपोर्ट पर आ गए हैं। मैं सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि भुवनेश्वर के एयरपोर्ट को डेवलप करने की दृष्टि से वह विचार करे। आपने मुझे बोलने के लिए अवसर दिया, धन्यवाद।

डा० अबरार अहमद खान (राजस्थान): उपसभाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो विशेष उल्लेख में जयपुर के हवाई अड्डे को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने की मांग की है, मैं उसका समर्थन करता हूं और एक बात और कहना चाहता हूं।

उपसभाध्यक्ष (डा० बापू कालदाते): इतनी ही इज़ाज़त दी थी आपको।

डा० अबरार अहमद खान: महोदय, जयपुर का हवाई अड्डा सिर्फ जयपुर की वजह से ही अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बनने का हक नहीं रखता बल्कि राजस्थान में आने वाले जो पर्यटक हैं वह वहां से बाई रोड, बाई रेल अन्य जगहों पर जाते हैं। तो उस दृष्टि से भी जयपुर के हवाई अड्डे को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाया जाना जरूरी है।

SHRI GAJ SINGH (Rajasthan): I associate with that.

RE. CONSIDERATION OF LEGISLATIVE COUNCILS BILL, 1990

SHRI G. SWAMINATHAN (Tamil Nadu): Mr. Viee-Chainnan, Sir, I have a request. The Legislative Councils Bill is there for the last one week, and we have been waiting to pass that Bill. We are almost at the fag end of the session. We may be permitted to speak on that. Only two or three persons will be there. It may not take more than 15 minutes. We can complete the Legislative Councils Bill.

Thereafter the Minister's statement may be taken up. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. BAPU KALDATE): If the House agrees *(interruptions)* Just hold on. There is nothing.

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): We are not standing in the way of the statement. We are making a submission for the consideration of the House that this Bill maybe passed. It would not take more time. Then the statement could be taken up. This is H request. I would request the hon. friends that side to kindly consider the suggestion made by Mr. Swaminathan.

SHRI G. SWAMINATHAN: We can pass it first because this legislative business is pending.

SHRI MURLIDHAR CHANDRA KANT BHANDARE (Maharashtra): Personally I am not against any re-arrangement of the business. Fiji is also important. In case we discuss the legislative business first, at the time of the discussion on Fiji, Members will not be there. In such a situation-.voluntarily some of us will slip away. We will finish it in an hour's time. Then We can sit till you pass the legislative business. But I don't like Fiji being relegated. Aftrall we have waited so long for the other Bills. I am very clear about it.

SHRI V. GOPALASAMY (Tamil Nadu): We,agree with Mr. Bhandare on the importance of the Statement on Fiji. At the same time the Bill has been pending for a long time. It could be passed first and then we can take Fiji.

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): Sir, discussion on price is there. The Minister has not yet replied. The fact is it is being postponed. It is more important.